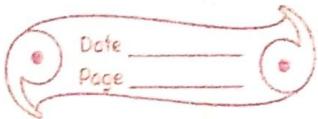


HW
29/11/21

अनुच्छेद लेखन



समय का दृष्टिपोषण

जिस प्रकार समझ की लैंडरें किसी भी धनीश्वर नहीं करती ही कि उसी प्रकार समय किसी की धनीश्वर नहीं करता। इसलिए हमें हमेशा रीमय के साथ चला जाए। फिर उसी समय कभी हौटकर बापस नहीं आ सकता है। धन की दृष्टि होती है तो उसे पुनः प्राप्त किया जा सकता है किन्तु अमय अगर हमारा व्याधी चला जाता है तो उसे पुनः बापस हाने का कोई मार्ग नहीं। समय का दृष्टिपोषण करने का वाला व्यक्ति कभी स्कृप्त नहीं रहता और वहा ही हो जाएगा जीर्ण में कामयाब हो सकता है। इसलिए उसे हमेशा अमय पर काम करके कामयाब होना चाहिए।